विदर्भ स्वाभिमान

www.vidarbhswabhiman.com

संपादक - सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे

9423426199/8855019189

❖अमरावती,गुरूवार 5 से 11 नवंबर 2026 ❖वर्ष :17 ❖अंक- 22 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य-4/-पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2025-2027❖डाक : शुक्रवार-शनिवार MAHHIN/2010/ 43881

बाबूजी के आदर्श विचार



जीवन की खुशियां

जीवन में जब संतोष आ जाए और मन में दीन भाव पैदा होने लगे, स्पर्धा की भावना खत्म हो जाए, किसी को नुकसान पहुंचाकर प्रगति की इच्छा खत्म हो जाए तो समझ लेना कि परमात्मा की कृपा आप पर हो रही है. जब तक अपने स्वार्थ के लिए लोगों को नुकसान पहुंचाने का भाव आपके मन में है, तब तक परमात्मा को प्राप्त नहीं कर सकते हैं. प्रभु को निर्मल मन वाले अत्याधिक प्रिय होते हैं, आप बनकर तो देखो.

दीपावली की खुशियों में समूचा भारत झूमा

महंगाई की मार के बाद भी मना ही लेते हैं खुशी, जीवनावश्यक वस्तुएं आसमान पर

विदर्भ स्वाभिमान,4 नवंबर

अमरावती/दिल्ली- भारतीयों में हर प्रसंग को खुशियों से मनाने का बड़ा जज्बा होता है. गरीब हो अथवा अमीर, हर त्यौहार की खुशियां मनाने का प्रयास ही नहीं करता है बल्कि वह किसी भी रूप में उसमें शामिल होता है. महंगाई तेज गति से बढ़ने के बाद भी दीपावली की खुशियों से पूरा देश गुलजार दिखाई दे रहा है. यद्यपि किसानों की फसल मौसम ने चट कर ली है, निजी नौकरीपेशा लोगों के लिए दिक्कतें हैं, गरीबों और मध्यमवर्गीयों के लिए परेशानी रहने के बाद भी दीपावली की खुशियां मनाने के लिए तैयार हो गए हैं. कुल मिलाकर देशभर में दीपावली की खुशी बाजार पर स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही है.



अमरावती शहर के साथ ही गारमेंट झोन के रूप में सुख्यात बिजीलैंड, सिटीलैंड तथा ड्रीम्ज पार्क में भी ग्राहकों की भारी भीड़ लगी है. किराणा के लिए जहां इतवारा बाजार में पैर रखने की जगह नहीं है, वहीं दूसरी ओर अस्तव्यस्त यातायात, पार्किंग की व्यवस्था का अभाव,अतिक्रमणकारियों द्वारा रास्ते पर किया गया कब्जा शहर की अस्तव्यस्त यातायात व्यवस्था के साथ ही मनपा की अक्षम्य लापरवाही का गान करता दिखाई दे रहा है. अंबादेवी रोड से राजकमल चौक तक पहुंचने के लिए लोगों को कसरत करनी पड़ रही है. इतना ही नहीं तो गांधी चौक से बुधवारा जाने के लिए भी लोगों को कड़ी मशक्कत करनी पड़ रही है.अंबानगरी से लेकर दिल्ली तक दीपावली की खुशियां दिखाई दे रही हैं. बाजार में रौनक है लेकिन पहले जैसा आनंद नहीं दिखाई दे रहा है. पैसेवालों के लिए खुशी है और देश के गरीबों ,मध्यमवर्गीयों के लिए सदा मेहनत वाली स्थिति है.गरीब तथा मध्यमवर्गीय परेशान दिखाई दे रहे हैं.

दिल्ली की हवा हो रही जहरीली,खतरा बढ़ रहा

विदर्भ स्वाभिमान,21 अक्तूबर

नई दिल्ली- राजधानी दिल्ली में वायु प्रदूषण ने गंभीर स्थिति पैदा कर दी है. बुधवार सुबह वायु गुणवत्ता सूचकांक 605 तक पहुंच गया. बिगड़ती हवा को देखते हुए प्रशासन ने गुरुग्राम सीमा पर वाहनों से संबंधित प्रतिबंधात्मक कदम लागू किए हैं. प्रदूषण की इस स्थिति ने नागरिकों के स्वास्थ्य को लेकर चिंता बढ़ा दी है. इससे निपटने को लेकर केन्द्र सरकार तथा राज्य सरकार भी गंभीर हो रही है.

ऊर्जा भंडारण परियोजनाओं के लिए केन्द्र की पहल

नई दिल्ली-देश में ऊर्जा भंडारण क्षमता को बढ़ावा देने के लिए केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 1.53 अरब डॉलर यानी लगभग 14,500 करोड़ रुपये की योजना को मंजूरी दी है. इस योजना का उद्देश्य देशभर में ऊर्जा भंडारण परियोजनाओं का विकास करना और बिजली व्यवस्था को अधिक मजबूत बनाना है. केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को इसकी जानकारी दी.

सेवा क्षेत्र की गतिविधियों में तेजी

नई दिल्ली- भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए राहत भरी खबर सामने आई है. अक्टूबर महीने में देश के सेवा क्षेत्र की गतिविधियां पिछले चार महीनों के उच्चतम स्तर पर पहुंच गईं. घरेलू मांग में सुधार और नए कारोबार में बढ़ोतरी को इसका प्रमुख कारण माना गया है. हालांकि, अंतरराष्ट्रीय ऑर्डर में कमजोरी के चलते रोजगार सृजन

अमरावती में २१४ कुओं की होगी सफाई

अमरावती- इस वर्ष कम बारिश का खामियाजा अमरावती सहित समूचे विदर्भ तथा राज्य में भी जलसंकट का खतरा बढ़ गया है. जिले के पालकमंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने जिलाधिकारी कार्यालय के नियोजन भवन में बैठक लेकर संभावित जलसंकट को लेकर जिला प्रशासन को सख्त निर्देश दिए. उन्होंने जिले की वर्तमान पेयजल व्यवस्था का जायजा लिया. महानगर पालिका क्षेत्र के 214 कुओं की सफाई करने के अलावा उसमें जमा गाद तत्काल निकालने का निर्देश दिया.



पालकमंत्री ने बैठक में भविष्य की जलसमस्या को ध्यान में रखते हुए अभी से प्रशासन को नियोजन करने का निर्देश दिया.जलस्तर बढ़ाने के लिए महानगर में रेन वाटर हार्वेस्टिंग पर भी जोर देने का निर्देश दिया. पानी की बचत के साथ अन्य उपाय योजना करने को कहा.





विदर्भ स्वाभिमान

संपादकीय

सैकड़ों पायलट हों गे अमरावती में अब तैयार

शहर के लिए खुशखबरी है. अब बेलोरा हवाई अड्डे से शुरू हो रहे पायलट प्रशिक्षण केन्द्र से हर साल 180 पायलट तैयार होकर न केवल देश बल्कि विश्वस्तर पर हवाई सेवा के क्षेत्र में अमरावती का नाम रोशन करेंगे. यह जिले के लिए भी उपलब्धि है.अमरावती संभागीय मुख्यालय रहने के बाद भी विकास के मामले में अभी तक काफी पिछड़े चल रही थी लेकिन अब अमरावती स्थित हवाई अड्डे के विकास तथा यहां से उड़ान का प्रशिक्षण देने का कार्य मंजूर किए जाने के चलते अमरावती के बेलोरा हवाई अड्डे से विमान चलाने का प्रशिक्षण दिया जाएगा. इसके लिए उदयन महानिदेशालय ने पायलट प्रशिक्षण केंद्र को मंजूरी दी है. लगभग डेढ़ साल के इस प्रशिक्षण में अमरावती में साल भर में 200 नए पायलट को तैयार किया जाएगा. अमरावती जिला ही नहीं बल्कि अमरावती संभाग के लिए यह बेहतरीन खबर कहना गलत नहीं होगा.अब विमान उड़ाने का प्रशिक्षण भी मिलेगा! यह प्रकल्प शुरू होने के बाद निश्चित ही अमरावती शहर के साथ जिले का विकास जहां गति पकड़ेगा वहीं दूसरी ओर पायलट प्रशिक्षण केंद्र के माध्यम से रोजगार की अपार संभावना जहां पैदा होगी वहीं अमरावती का भाग्य भी तेजी से विकसित होने से इनकार नहीं किया जा सकता.

अमरावती के बेलोरा हवाई अड्डे के विकास को नई दिशा मिलने की उम्मीद है. अब तक उड़ान सेवाओं की प्रतीक्षा कर रहे इस हवाई अड्डे पर विमान उड़ाने का प्रशिक्षण शुरू होने की संभावना से विकास के नए द्वार खुल सकते हैं. इससे क्षेत्र के युवाओं को पायलट बनने का अवसर मिलेगा और अमरावती की पहचान विमानन प्रशिक्षण केंद्र के रूप में भी स्थापित हो सकती है.यह पहल साकार होने का मार्ग प्रशस्त हो गया है. यह प्रयास बेलोरा हवाई अड्डे के लिए मील का पत्थर साबित हो सकती है. रोजगार, शिक्षा, पर्यटन और औद्योगिक विकास को भी इससे गति मिलने की उम्मीद है.बेलोरा को केवल हवाई अड्डा नहीं, बल्कि विमानन शिक्षा का नया केंद्र बनाने की जरूरत है. यहां पर पहली बैच में 180 छात्रों को पायलट ट्रेनिंग दी जाएगी और हर साल इतने छात्रों को प्रशिक्षण दिए जाने से विमानन क्षेत्र में पायलट के रूप में जहां नौकरी प्राप्त कर रोजगार प्राप्त करने का मौका मिलेगा वहीं दूसरी ओर अमरावती राष्ट्रीय हवाई सेवा के मानचित्र पर भी तेजी से चमकने की संभावना है. पिछले कुछ वर्षों से अमरावती का विकास प्रभावित दिखाई दे रहा है, प्रशिक्षण केंद्र खोलने के बाद निश्चित तौर पर अमरावती भी बेहतरीन स्थान पर होगा. इस प्रशिक्षण केंद्र को शुरू करने के लिए प्रभावी तरीके से नियोजन और प्रयास किया जाना चाहिए ताकि विदर्भ की उप राजधानी का रुतबा रखने वाली अमरावती का सम्मान बढे और अमरावती भी विकास के क्षेत्र में पंख लगाकर तेजी से उड़े और शहर तथा जिले में महाविद्यालयों की भरमार के बीच कम से कम उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले अमरावती जिले के युवकों को अमरावती में ही रोजगार मिले. इसके लिए प्रयास करने वाले सभी लोगों का अभिनंदन किया जाना चाहिए.

सभी को परमात्मा देना मौके पर खुशी



विदर्भ स्वाभिमान
www.vidrabhswabhiman.com 9423426199

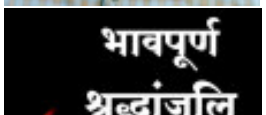


भारत त्यौहारों का देश है, एक के बाद एक त्यौहार इसकी जहां खुशियों की परम्परा का जतन करते हैं, वहीं दूसरी ओर यह भी उतना ही तय है कि त्यौहारों का संबंध खुशियों के साथ ही हमारे आर्थिक ताना-बाना से जुड़े होते हैं. देश में आर्थिक विषमता है, एक ओर चकाचौंध है, तो दूसरी ओर घना अंधेरा है. हम प्रभु से यही कामना करते हैं कि खुशियां सम्पूर्ण मानव जाति के लिए होनी चाहिए. त्यौहारों के पर्व के बीच यह भी सुनिश्चित होना चाहिए कि इस खुशियों के पर्व पर समभाव का नजारा दिखाई दे. हमारी सम्पन्नता से अगर हम किसी अनाथ बच्चे, अपनों से दुत्कारे माता-पिता को खुशियां दे सकें तो निश्चित ही हमारा जीवन और हमारी खुशियां जहां बढ़ेंगी, वहीं गरीबों की दुवाएं भी मिलेंगी. कहते हैं कि जिस तरह बद्दुवा कभी बेकार नहीं जाती है, उसी तरह दुवाएं बिना असर किए नहीं रहती हैं. दीपावली जैसे पावन पर्व निश्चित ही हर सम्पन्न व्यक्ति को अवसर देते हैं. खाली हाथ हर व्यक्ति आता है और खाली हाथ ही दुनिया से जाता है. लेकिन स्वयं के साथ ही जो दूसरों के लिए भी जीता है, जीने का प्रयास करता है, उसका ही जीवन पूरी तरह से सफल हो पाता है, इससे कोई भी इंकार नहीं कर सकता है. परमात्मा से यही कामना करते हैं कि दीपावली का पावन पर्व अंधेरे को चीरते हुए हर मानव को खुशियों का रंग दे और सभी का जीवन खुशियों से भरा रहे.

दीपावली केवल दीप जलाने और आतिशबाजी करने का पर्व नहीं, बल्कि खुशियां बांटने, रिश्तों को मजबूत बनाने और जरूरतमंदों के जीवन में रोशनी लाने का त्योहार है. दीपावली की असली सार्थकता तभी है, जब समाज का हर व्यक्ति इस पर्व की खुशियों में शामिल हो सके.हमारे आसपास ऐसे अनेक परिवार हैं, जिनके लिए त्योहार भी आर्थिक परेशानियों के बीच गुजरता है. ऐसे में यदि संपन्न लोग जरूरतमंदों की मदद के लिए आगे आएं, किसी गरीब के घर मिठाई पहुंचे, किसी बच्चे के चेहरे पर मुस्कान आए और किसी परिवार का दीपक रोशन हो, तो यही दीपावली का सच्चा उत्सव होगा. कहते हैं कि हर पर्व पर हमें कोई न कोई नया संकल्प लेना चाहिए. इस दीपावली संकल्प लें कि हमारी खुशियां केवल हमारे घर तक सीमित न रहें. किसी के अंधेरे जीवन में उम्मीद का दीप जलाएं, क्योंकि खुशियां खरीदने से नहीं, बांटने से बढ़ती हैं.सच्ची दीपावली वही है, जब हर चेहरे पर मुस्कान हो और हर घर में खुशियों का दीप जले.दीपावली पर हमारी सभी देशवासियों को अग्रिम शुभकामनाएं.

मेरे जीवन के प्रेरणास्त्रोत थे मेरे पिताजी





ज़ीवन में माता-पिता से बड़ा त्यागी कोई नहीं हो सकता है. मेरे पिताजी स्व.गुरूमुखदास घुंडियाल मेरे जीवन में आदर्श संस्कार और नैतिकता के लिए प्रेरणास्त्रोत थे. उन्हों ने ही मेरा जीवन संवारा. बाबूजी को भावपूर्ण आदरांजलि.वे कहते थे कि अच्छा करने वाले को तकलीफ हो सकती है लेकिन वह कभी हारता नहीं है, जीतकर ही दम लेता है. जीवन है तो मृत्यु निश्चित है. उन्हें पांच साल हमसे बिछड़े बीते हैं लेकिन उनका आदर्श सदैव याद रहा है. भगवान उनकी पांचवीं पुण्यतिथि पर उनकी दिव्य आत्मा को शांति प्रदान करें. स्व. गुरूमुखदास घुंडियाल ने शून्य से संसार तैयार किया, इतना ही नहीं तो सिंधी सम्मान में जहां सम्माननीय स्थान पैदा किया, वहीं बच्चों को भी आदर्श आचार-विचार,संस्कारों वाला सफलतम इन्सान बनाया है. उनकी 2 नवंबर को पांचवीं पुण्यतिथि पर विदर्भ स्वाभिमान परिवार की विनम्र आदरांजलि.जीवन के हर मोड़ पर हिम्मत देने के साथ ही समाजसेवा के भाव में वे सदैव अग्रणी रहते थे.

संघर्ष से जूझते हुए घुंडियाल परिवार को न केवल जिले बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर व्यवसाय, सेवा तथा सामाजिक कामों में चमकाने का जहां उन्हें श्रेय जाता है, वहीं हर भूमिका में वे प्रेरणादायी और आदर्श साबित होते थे. दो साल के बाद भी उनकी यादें, उनके आदर्श विचारों पर ही घुंडियाल परिवार अमल करते हुए आगे बढ़ रहा है. जीवन में नैतिकता, मानव सेवा तथा सकारात्मक सोच का अत्याधिक महत्व है. यह यद्यपि कठिन लगते हैं लेकिन इनसे प्राप्त कामयाबी दूर तक साथ देती है. इसलिए सदैव नैतिकता का पालन करने का प्रयास करना चाहिए. इससे आत्मिक आनंद मिलता है. यही सीख सदैव बाबूजी स्व.गुरूमुखदास घुंडियाल ने दी.शहर के सुख्यात व्यवसायी, आदर्श समाजसेवी, आदर्श पिता के साथ ही समाज के लिए उनके समर्पण का उदाहरण दिया जा सकता है. आज वे भले ही हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनके आदर्श संस्कार पूरे घुंडियाल परिवार को प्रेरणा देने का काम करेंगे. बाबूजी को प्रेरणादाई तथा हर स्थिति में जूझने तथा लक्ष्य हासिल करने के लिए प्रोत्साहित करने वाला व्यक्तित्व कहा जा सकता है.आज घुंडियाल रेडियोडायग्नोस्टिक सेंटर अगर विश्वस्तरीय सुविधाओं से लैस है, मरीजों के बेहतरीन स्वास्थ्य जांच में अगर महत्वपूर्ण भूमिका निभा पा रहा है तो इसका पूरा श्रेय बाबूजी के प्रोत्साहन को ही जाता है. परिवार के साथ ही समाज के भी किसी पीड़ित की मदद करने और मार्गदर्शन करने के कारण समाज में भी अपार लोकप्रियता उन्होंने हासिल की थी.

परिवार को समाज में जहां सम्मानजनक स्थान दिलाया, वहीं व्यवसाय में बुलंदी के साथ ही मानव सेवा का मंत्र दिया.बाबूजी सदैव कहते थे कि हमारा कर्म ही हमें सम्मान दिलाता है. बुरा कर्म करने के बाद उसका परिणाम भुगतना पड़ता है. उनकी यही सीख आज घुंडियाल परिवार के लिए आदर्श बनी है. किसी के प्रति केवल और केवल प्रेम उनकी दूसरी खूबी थी. हमारे कर्म से ही हम स्वयं को महान बना सकते हैं साथ ही अपना भाग्य तय कर सकते हैं. स्व. गुरूमुखदास घुंडियाल ने जीवन में नेक कामों में स्वयं को जहां झोंके रखा, वहीं यही संस्कार अपने बच्चों डॉ. पंकज घुंडियाल, बेटे नीरज घुंडियाल, बेटी श्वेता को भी दिया. यह आज भी पिता के उन्हीं आदर्शों पर चलते हुए समाज में अपना स्थान बना रहे हैं. रेडियोडायग्नोस्टिक विशेषज्ञ डॉ. पंकज घुंडियाल तो राष्ट्रीय स्तर वैद्यकीय जांच के क्षेत्र में अमरावती को सम्मान दिला रहे हैं. बेटा नीरज व्यवसाय के क्षेत्र में पिता के नाम को रोशन कर रहा है. बेटी भी उच्च प्रतिष्ठा के साथ माता-पिता का सम्मान बढ़ा रही है.उन्हें परिवार से बिछुड़े पांच साल होने के बाद भी हर क्षण,हर पल परिवार को पिता की याद आती है. पिता का जिक्र निकलने पर उनकी आंखें नम हो जाती हैं.

डॉ.पंकज घुंडियाल,अमरावती.

विदर्भ स्वाभिमान

यह समाचार पत्र मालिक, प्रकाशक,संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे द्वारा एस.बी.प्रिंटर्स द्वारा दत्त पैलेस गांधी चौक अमरावती में मुद्रित कर विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय,छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती में प्रकाशित किया गया है.मोबाइल नंबर 9423426199/8855019189.अखबार में प्रकाशित होने वाले विभिन्न पत्र,साहित्य,लेखकों,कवियों के विचारों व तथ्यों पर आधारित होते हैं. इनसे संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है.संपादक-सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे (संपादकीय दायित्व हेतु जिम्मेदार), मुख्य प्रबंधक- सौ.वीणा सुभाषचंद्र दुबे.Email-vidarbhäswabhiman@gmail.com.www.vidrabhswabhiman.com,rni. no MAHHIN/2010/ 43881

आनंद परिवार का स्नेह मिलन 10 को, अन्नदान में उमड़ते हैं हजारों

विदर्भ स्वाभिमान, 4 नवंबर

अमरावती- अपने साथ ही अन्यों को खुशियां बांटने के लिए स्थापना से लेकर सदैव प्रयासरत रहने वाले व्यवसायी आनंद परिवार के स्नेह मिलन कार्यक्रम का हजारों लोगों को इंतजार रहता है. इस दौरान अन्नकूट में जहां दिग्गज हस्तियां शामिल होती हैं, वहीं हर वर्ग के व्यक्ति को सम्मान के साथ ही भोजन कराने की आदर्श परम्परा की सराहना की जाती है. इस वर्ष यह आनंद स्नेह मिलन कार्यक्रम 10 नवंबर को एसटी बस स्टैन्ड रोड स्थित आनंद एजेंसी के सामने होगा. इसका संबंधितों से लाभ लेने का आग्रह आनंद परिवार द्वारा किया गया है.





दीपावली प्रकाश, प्रसन्नता और पारिवारिक मिलन का पर्व है. लेकिन इस पर्व की सार्थकता तब और बढ़ जाती है, जब अपनी खुशियों में अनजान लोगों को भी सहभागी बनाया जाए. इसी मानवीय संवेदना, आत्मीयता और सेवाभाव को परंपरा बनाते हुए आनंद परिवार, बडनेरा-अमरावती की ओर से 16वें दीपावली स्नेहमिलन एवं स्नेहभोज समारोह का आयोजन मंगलवार, 10 नवंबर को किया गया है.आयोजन आनंद एजेंसीज, गणेश मेडिकल मार्केट, एसटी स्टैंड रोड पर सुबह 11:30 से दोपहर 2 बजे तक होगा.इसकी तैयारियां की जा रही हैं.

हर साल आयोजित होने वाले आनंद परिवार के इस आयोजन की सबसे खास बात यह है कि दीपावली का आनंद केवल परिवारजनों, मित्रों और आमंत्रित अतिथियों तक सीमित नहीं रखते हुए समाज के हर उस व्यक्ति को लाभान्वित करना होता है, जिसे जरूरत है. बस स्टैंड रोड से गुजरने वाला प्रत्येक व्यक्ति इस आयोजन का हिस्सा बनता है. पैदल चलने वाले, साइकिल सवार, ऑटो रिक्शा और एसटी बस से सफर करने वाले यात्रियों के साथ ही सामान्य अनजान राहगीरों को भी प्रेम तथा सम्मान पूर्वक भोजन के लिए आमंत्रित किया जाता है.

सम्मान और कृतज्ञता का भाव- आनंद परिवार के तीनों ही संचालकों अरूण कडू, सुदर्शन गांग तथा प्रदीप जैन का मानना है कि सेवा का वास्तविक मूल्य उसकी मात्रा में नहीं, बल्कि उसके पीछे की भावना में निहित होता है.किसी को भोजन कराना सबसे बड़ा पुण्य कर्म है, लेकिन उसे सम्मानपूर्वक आमंत्रित करना, प्रेम से भोजन परोसना और उसके आने के लिए दिल से धन्यवाद देना मानवीय संवेदनाओं का परिचायक है.यहाँ न कोई प्रतिबंध है और न ही औपचारिकता, हर व्यक्ति सम्माननीय अतिथि है, यही सामाजिक समरसता, समानता और भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों का संदेश है. आयोजन की सबसे अनूठी और सराहनीय परंपरा भोजन के बाद देखने को मिलती है. भोजन ग्रहण कर विदा होने वाले प्रत्येक अतिथि के प्रति आनंद परिवार के सदस्य हाथ जोड़ कर आभार व्यक्त करते हैं.सामान्यतः भोजन कराने वाला व्यक्ति धन्यवाद की अपेक्षा करता है,लेकिन यहाँ भोजन स्वीकार करने वाले अतिथि को ही धन्यवाद दिया जाता है.इस माध्यम से सर्वधर्म समभाव के साथ ही मानव सेवा ही ईश्वर सेवा का उदाहरण यहां मिलता है. इससे इसका विशेष महत्व रहता है.आनंद परिवार ने आयोजन में सहभागिता देने वाले सभी परिवारजनों, मित्रों, शुभचिंतकों और प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया है. साथ ही अमरावतीवासियों से 16वें दीपावली स्नेहभोज में सहभागी होने का आग्रह किया है.संचालकों के मुताबिक दीपावली का प्रकाश केवल घरों और प्रतिष्ठानों तक सीमित न रहे, बल्कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में प्रेम, अपनापन और सद्भाव का उजाला फैले.अनजान व्यक्ति के चेहरे पर मुस्कान लाना और उसके साथ खुशियां बांटना ही पर्व का असली महत्व है. व्यवसाय के साथ ही सामाजिक दायित्व की आनंद परिवार की यह भावना न केवल सराहनीय बल्कि अनुकरणीय कहना गलत नहीं होगा.

ग्राम पंचायत कार्यालय हिंगणी मिर्झापुर,ता. दर्यापुर, जि.अमरावती

निविदा सूचना क्रमांक 1

ग्राम पंचायत हिंगणी मिर्झापुर ता. दर्यापुर जि. अमरावती यांचे मार्फत 15वा वित्त आयोगांतर्गत सामान्य निधि अंतर्गत खालील कामांची निविदा ब-1 टक्केवारी दराप्रमाणे जि.प.बांधकाम विभाग यांचे वर्गी तील नों दणीकृत कंत्राटदाराकडून मागविण्यात येत आहे.कोऱ्या निविदा ग्राम पंचायत हिंगणी मिर्झापुर यांचे कडून देण्यात येत आहे.

अ.क्रं.	कामाचे नाव	अंदाजीत रक्कम	बयाना रक्कम १ %	कोऱ्या निविदेची किंमत	कोऱ्या निविदा मिळण्याची दिनांक	भरलेल्या निविदा सादर करण्याचे दिनांक	निविदा उघडण्याची दिनांक व वेळ
१	भूमिगत गटारे बांधकाम करणे	२,००,०००/-	२०००/-	१००/-	०५/११/२०२६ ते १६/११/२०२६	१७/११/२०२६	मासिक सभेत
२	भूमिगत गटारे बांधकाम करणे	२,४६,८०९/-	२४६८/-	१००/-	०५/११/२०२६ ते १६/११/२०२६	१७/११/२०२६	मासिक सभेत
३	ग्रामपंचायत भवन छपाई करणे	१,००,०००/-	१०००/-	१००/-	०५/११/२०२६ ते १६/११/२०२६	१७/११/२०२६	मासिक सभेत

नियम व अटी :-

१) निविदेच्या अटी व शर्ती ग्रा.पं. हिंगणी मिर्झापूर येथे कार्यालयीन वेळेत पहावयास मिळेल.
२) निविदा ह्या दोन लिफाफे पद्धतीने सादर करावयाच्या आहेत.
३) निविदा स्वीकारण्याचे तसेच काही कारणास्तव निविदा रद्द करण्याचे अधिकार ग्रा.पं. तीने राखून ठेवले आहेत.

सरपंच/सचिव
ग्राम पंचायत हिंगणी मिर्झापुर
ता. दर्यापुर, जिल्हा-
अमरावती.

पद्म सरोवर पर निष्ठा के साथ तप करना शुरू

विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की भक्तिमय सेवा

विश्वास वाले भक्तों को हर पल होता है तिरूपति में अनुभव

कहते हैं कि श्रद्धा से विश्वास और विश्वास से असंभव भी संभव हो जाता है. कलयुग के देवता भगवान व्यंकटेश्वर बालाजी के करोड़ों भक्त विश्वभर में फैले हैं. पिछले 25 साल से उनकी भक्ति से क्या-क्या अनुभव किया है, इसको ध्यान में रखते हुए अनाथों के नाथ, निराधारों के आधार तिरूपति निवासा भगवान व्यंकटेश्वर की कथा यहां प्रस्तुत कर रहे हैं. हर गुरूवार को विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की यह भक्तिमय सेवा प्रभु चरणों में अर्पित है. निर्मल मन से प्रभु गोविंदा की भक्ति करने पर इसका अनुभव आप भी कर सकते हैं.तिरूमल तिरूपति देवस्थानम तिरूपति द्वारा प्रकाशित मातृश्री तरिगोंड वेंगमांबा की श्री वेंकटाचल की महिला से साभार लिया जा रहा है.जय गोविंदा,जय गोविंदा, जय गोविंदा.डिजिटल संस्करण

www.vidarbhswabhiman.com/9423426199



गतांक से जारी- अशीर वाणी की बातों के अनुसार स्वामी के द्वारा पद्म सरोवर के तट पर निष्ठा के साथ तप करना शुरू कर दिया.उसे विदा करके पहाड़ से उतर कर श्रीनिवास अगस्त्य मुनि के आश्रम में पहुँच गए. उसके पूर्व प्रदेश में सिद्ध स्थल पर पहुँच गए. तब विष्णु ने गरुड-घोड़े से उतर कर वहाँ खड़े होकर वायु देव का स्मरण किया. वायु देव ने आकर विष्णु को नमस्कार करके इस रूप में कहा. 'हे देव! आज मुझे किस काम से स्मरण किया है? बताइए! हे श्रीवल्लभ! आपका सेवक बनकर मैं करूँगा.' कहने पर चक्री ने मंदहास करते हुए कहा. 'सुनो हे पवन! तुम स्वर्ग जाकर वहाँ मुख्य रूप से मंदाकिनी में रहनेवाले सुवर्ण कमल को इंद्र से मांगकर ले आओ! तुम जाओ.' चक्री के कहने से पवन ने कहा. 'सुवर्णमुखी में ही सुवर्ण कमल प्राप्त होते हैं. फिर स्वर्ग से उन्हें लाने की क्या जरूरत है?' कहने पर अशरीरी वाणी के द्वारा बताये गए वचनों को हरि ने पवन को बताया. तब पवन ने जाकर सहस्र दल सुवर्ण पद्म को अमर पति से माँग कर लाकर हरि को दिया. सुवर्ण पद्म को लानेवाले पवन से हरि ने कहा. 'सुनो! पवन! मैं यहीं पर तप करूँगा. इस रहस्य को तुम को बताया. तुम इसे किसी को भी मत बताना!' यह सुनकर पवन 'महाप्रसाद' कहते हरि की आज्ञा लेकर लौट गया. बाद में कमल लोचन ने वहाँ की पुष्करिणी में कमल को गाढ़ने के लिए गड्ढा बनाया. उसमें अच्छे ढंग से कमल की नाल को गहराई में गाढ़ दिया. पानी पर कमल को रखकर, दिवाकर को पूरब में प्रतिष्ठा करके पूजा करने लगे. दिवाकर के पश्चिम भाग में पद्मासन पर बैठकर हरि मन को एकाग्र बनाकर उस सुवर्ण कमल पर ध्यान को केंद्रित करके श्री सति के रूप में उसे मानकर जप करने लगे. इस रूप में नित्य मन में ही जप करने लगे. रमादेवी का मंत्र जपते हरि ने सिरि को लेकर इस रूप में तप किया.

तप में विघ्न डालने के लिए इंद्र का असफल यत्न करना- कोई राजा यज्ञ करने की बात को लेकर इंद्र घबरा गए.हरि के इस रूप में तप करने को इंद्र जानते हुए भी कोई राजा अवनि में निष्ठा के साथ तप कर रहा है.' ऐसा सोचते हुए अगर उसका तप पूरा हो जाएगा तो अपने इंद्र पद को छीन लेगा. समझ कर 'धरती पर तप में विघ्न डालना है.' ऐसा इंद्र ने सोचा. तब इंद्र ने अप्सरसाओं को बुलाकर इस रूप में कहा. 'कोई साहसी अवनी में मेरे पद को प्राप्त करने के लिए तप कर रहा है. उस राजा को धोखा देकर उसके तप को भंग कीजिए. साथ में पुष्पाकर को भी ले जाइए.' ऐसा कहते रंभादि को सपरिवार इंद्र ने भेज दिया. तब वे मणि भूषण, सुवस्त्र, फूल, दिव्य चंदन को धारण करके हिचकारते तांबूल खाते विष्णु के तप करनेवाले स्थल पर पहुँच गयीं.कलकंठ, लकुल, तोते. कलकल रव करते. मलयानिल को बहाते अप्सरसाएँ वहाँ पर पहुँच गयीं.अपने साथ आनेवाले मन्मथ को देखकर सारी अप्सरसाएँ प्रसन्न हुई. तब सबने वहाँ के श्रृंगार वन में प्रवेश किया. बड़ी वासना से फूल तोड़ने लगीं. तोते के रूप में तुतली बोली में बोलते, उत्साह के साथ अट्टाहास करते, हँसते एक दूसरे को बुलाते अत्यंत प्रेम के साथ इस रूप में उन्होंने कहा. 'हे बहनें! पेड़ों की टहनियों पर चढ़कर सारे फूल तोड़ने लगी.

निधि की मार, आफत में छात्रों का आहार

मुंबई-महाराष्ट्र के सरकारी स्कूलों में चल रही मिड-डे मील योजना इस समय एक गंभीर वित्तीय और प्रशासनिक संकट से गुजर रही है. राज्य के करीब 70ऽ हिस्से में फैले भीषण सूखे के बीच पिछले चार महीनों से इस योजना का फंड रुका हुआ है. हालात इतने गंभीर हो गए हैं कि स्कूलों के शिक्षकों और प्रधानाध्यापकों को बच्चों की भूख मिटाने और योजना को चालू रखने के लिए अपनी जेब से पैसे खर्च करने पड़ रहे हैं. अधिकारियों के मुताबिक, केंद्रीय योजनाओं में डायरेक्ट कैश ट्रांसफर के लिए लाई गई नई व्यवस्था सिंगल नोडल एजेंसी (चरण) 'स्पर्श' को अपनाने में देरी हुई. इसके अलावा केंद्र और राज्य के फंड को इस नए सॉफ्टवेयर में मिलाने में तकनीकी दिक्कतें आईं, जिसकी वजह से पिछले चार महीनों से बजट अटक गया है.

एक तरफ सूखा होने के कारण ग्रामीण परिवारों की आय बुरी तरह प्रभावित हुई है, जिससे गरीब घरों में बच्चों को पौष्टिक भोजन नहीं मिल पा रहा है. ऐसे में स्कूलों में मिलने वाला मिड-डे मील ही इन बच्चों के लिए पोषण का एकमात्र सहारा बचा है और ऐसे में फंड का रुक जाना बच्चों के लिए भारी संकट के तौर पर देखा जा रहा है.

साप्ताहिक विदर्भ स्वाभिमान समाचार पत्र - अमरावती

समय - सारणी अमरावती स्टेशन

यात्रियों की सुविधा के लिए - अमरावती से चलने वाली प्रमुख गाड़ियों का संपूर्ण समय-पत्रक

क्रम सं	गाड़ी नंबर (आगमन)	आगमन	दिन	गाड़ी का नाम	गाड़ी नंबर	गाड़ी नंबर (प्रस्थान)	दिन
01	61113	00:10	प्रतिदिन	बडनेरा-अमरावती-बडनेरा मेमू	61114	05:05	प्रतिदिन
02	12120	21:50	प्रतिदिन	अजनी-अमरावती-अजनी इंटरसिटी एक्स.	12119	05:30	प्रतिदिन
03	12765	15:10	रवि/बुध	तिरुपति-अमरावती-तिरुपति एक्सप्रेस	12766	06:45	सोम/गुरु
04	20925	22:25	प्रतिदिन	गुरु/शुक्र/रवि सूरत सुपरफास्ट	20926	09:05	शुक्र/शनि/सोम
05	61115	14:30		बडनेरा-अमरावती-बडनेरा मेमू (बडनेरा-बुलाना --बडनेरा समय --13:30)	61116	13:10	
06	61108	12:10	प्रतिदिन	वर्धा-अमरावती-वर्धा मेमू	61107	15:15	प्रतिदिन
07	12160	09:50	प्रतिदिन	जबलपुर-अमरावती-जबलपुर	12159	16:45	प्रतिदिन
08	22117	11:00	गुरुवार	पुणे-अमरावती-पुणे एसी सुपरफास्ट	22118	18:50	गुरुवार
09	12111	07:55	प्रतिदिन		12112	19:10	प्रतिदिन
10	11405	17:30	सोम/शनि	मुंबई-अमरावती-मुंबई एक्सप्रेस	11406	19:50	सोम/शनि
				पुणे-अमरावती-पुणे एक्सप्रेस (व्हाया अकोला, वाशिम)			
11	11025	01:05	प्रतिदिन	पुणे-अमरावती-पुणे एक्सप्रेस	11026	22:50	प्रतिदिन
12	61111	22:45	प्रतिदिन	बडनेरा-अमरावती-बडनेरा मेमू	61112	23:10	प्रतिदिन



दीपावली पर्व तथा नववर्ष की समस्त देशवासियों को मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं. सभी स्वस्थ रहें,मस्त रहें, यही कामना प्रभु चरणों में करते हैं



शुभेच्छुक
बालकिसन पाण्डेय तथा समस्त पाण्डेय
परिवार,संचालक-दुग्धपूर्णा ग्रुप,अमरावती.

सेवा, समर्पण और विकास में आगे अर्चना अशोकराव पांडे दंपति

प्रभाग में मनपा अस्पताल और मनपा सेमी इंग्लिश स्कूल को दिलवाई मंजूरी,प्रभाग में विकास की बहा रहे हैं गंगा

विदर्भ स्वाभिमान,4 नवंबर

अमरावती- ज़नता का प्रेम, विश्वास ही हमारी सबसे बड़ी पूंजी है. विधायक रविभाऊ राणा के कुशल मार्गदर्शन में युवा स्वाभिमान पार्टी राजनीति की बजाय समाजसेवा को अधिक महत्व देती है, इस आशय का मत गड़गड़ेश्वर प्रभाग की लोकप्रिय नगर सेविका अर्चनाताई पांडे और समाजसेवा तथा विकास में सदैव अग्रणी रहने वाले अशोकराव पांडे ने किया. बुधवार को अर्चना पांडे के जन्मदिन पर प्रभाग के हजारों नागरिकों ने उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दी. इस मौके पर विदर्भ स्वाभिमान से बातचीत में उन्हों ने बताया कि प्रभाग के लिए मनपा अस्पताल और मनपा सेमी इंग्लिश स्कूल मंजूर कराने में भी उन्हें सफलता मिली है. जिला पालकमंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने यह मंजूर किया है. इससे प्रभाग में स्वास्थ्य के साथ गरीब छात्रों को बेहतरीन शिक्षा का मार्ग प्रशस्त हो गया है.

पार्षद अर्चना पांडे के मुताबिक उनके लिए जनसेवा केवल एक सामाजिक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के प्रति अपना कर्तव्य निभाने का माध्यम है. आम नागरिकों की समस्याओं को समझना और उनके समाधान के लिए प्रयास करना ही हमारी प्राथमिकता है. हमारा मानना है कि समाज में वास्तविक बदलाव तभी आएगा, जब विकास का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचेगा.

सवाल-आपके प्रयासों से मनपा अस्पताल को मंजूरी मिलने की बात सामने आई है. इस पहल के पीछे क्या उद्देश्य रहा?

अर्चना पांडे-. स्वास्थ्य हर नागरिक का मूल अधिकार है. गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों को उपचार के लिए आर्थिक परेशानी का सामना न करना पड़े,प्रभाग काफी पिछड़ा है और बडे पैमाने पर गरीब और मध्यमवर्गीय यहां रहते हैं. इसी उद्देश्य से मनपा अस्पताल की आवश्यकता को लेकर प्रयास किए गए. हमारा प्रयास है कि शहर के नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध हों और उन्हें उपचार के लिए भटकना न पड़े.

सवाल- मनपा सेमी इंग्लिश स्कूल को मंजूरी दिलाना भी एक महत्वपूर्ण पहल मानी जा रही है. शिक्षा के क्षेत्र में आपकी क्या प्राथमिकताएं हैं?

अर्चना पांडे-शिक्षा ही समाज के विकास की असली नींव है. आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों को भी अच्छी शिक्षा और अंग्रेजी माध्यम की सुविधाओं का अवसर मिलना चाहिए. मनपा सेमी इंग्लिश स्कूल की मंजूरी इसी सोच का परिणाम है.



हमारा सपना है कि प्रतिभा किसी आर्थिक मजबूरी के कारण पीछे न रह जाए.प्रभाग के गरीब छात्रों को भी बेहतरीन शिक्षा दिलाने के उद्देश्य से पति अशोकराव पांडे के प्रयासों से यह प्रयास किया गया और पालकमंत्री चंद्रशेखर बावनकुले तथा विधायक रवि राणा के सहयोग से इसमें सफलता मिली.

सवाल- आपके पति अशोकराव पांडे भी सामाजिक और विकास कार्यों में आपके साथ सक्रिय रहते हैं. इस साझेदारी को किस रूप में देखती हैं?

अर्चना पांडे-किसी भी सामाजिक कार्य को आगे बढ़ाने के लिए परिवार का सहयोग और सकारात्मक सोच बहुत जरूरी होती है.पति अशोकरावजी कई वर्षों से राजनीति तथा समाजसेवा के क्षेत्र में अग्रणी रहे हैं. उनका मार्गदर्शन और सहयोग हमेशा प्रेरणादायी रहा है. हम दोनों का उद्देश्य व्यक्तिगत प्रसिद्धि नहीं, बल्कि जनहित के कार्यों के माध्यम से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाना है. ऐसे में विकास,सेवा के साथ ही अन्य बातों पर उनका साथ रहता है.

सवाल-प्रभाग के विकास को लेकर आपकी भविष्य की योजनाएं क्या हैं?

अर्चना पांडे- गड़गड़ेश्वर प्रभाग काफी बड़ा और विकास के मामले में पिछड़ा है, ऐसे में यहां विकास के लिए करोड़ों रूपए लाना और विकास करने का प्रयास जारी है. विकास केवल सड़कों और इमारतों तक सीमित नहीं होना चाहिए. स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वच्छता, पेयजल और नागरिक सुविधाएं भी विकास के महत्वपूर्ण है.

सेवा को बनाया संकल्प, विकास को दिया महत्व- पार्षद अर्चना तथा सेवाभावी पति अशोकराव पांडे दंपति की सामाजिक सक्रियता में स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे बुनियादी विषयों को प्राथमिकता मिलती दिखाई देती है. मनपा अस्पताल और मनपा सेमी इंग्लिश स्कूल को मंजूरी दिलाने की पहल को इसी दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास के रूप में देखा जा रहा है. जनसुविधाओं को लेकर निरंतर प्रयास और समाज के प्रति समर्पण ही उनकी कार्यशैली का प्रमुख आधार बताया जाता है.

अशोकराव हैं मिलनसार

पार्षद अर्चना पांडे के पति अशोकराव कई वर्षों से राजनीति के साथ ही समाजसेवा से जुड़े हुए हैं. प्रभाग ही नहीं तो शहर में स्वयं की ख्याति है. मिलनसार और प्रभाग में जहां उनका व्यापक संपर्क रहता है, वहीं दूसरी ओर विकास का विजन रखने के कारण विधायक, पालकमंत्री के साथ ही प्रभाग के विकासार्थ अन्य स्थानों से भी निधि लाकर क्षेत्र के विकासार्थ प्रयासरत रहते हैं. उनके मुताबिक लोगों ने जो विश्वास उनमें दर्शाया है, उस विश्वास को कभी प्रभावित नहीं होने देंगे. लोगों के हर सुख-दुख में जहां पहुंचते हैं, वहीं गणेशोत्सव, दुर्गोत्सव, शारदोत्सव मंडल में भी योगदान देते हैं.

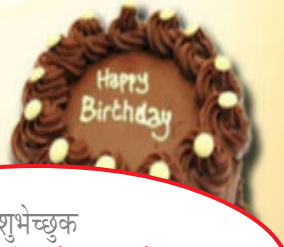




जन्मदिन की
हार्दिक शुभकामनाएं



जनसेवा का जज्बा दिल में लेकर जो चलता है,
वही सच्चा सेवक बनकर लोगों के दिलों में बसता है।
ऐसे प्रेरणादायक महिला सेवी को जन्मदिन की बधाई,
आपकी सफलता से ही समाज में खुशहाली आई।



सौ.नेहा चौधरी

शुभेच्छुक
संकल्प सेवा संस्था के सभी पदाधिकारी,भाजपा पदाधिकारी व सहयोगी,विदर्भ स्वाभिमान परिवार, अमरावती,हिंगोली,अकोला.

बड़ी खुशखबर, होर्मुज से गुजर सकेंगे बेरोकटोक भारतीय जहाज

विदर्भ स्वाभिमान,4 नवंबर

नई दिल्ली-दीवाली से पहले ईरान से भारत के लिए अच्छी खबर आई है. ईरान ने भारत, चीन, इराक और कतर के जहाजों को होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने पर लगी पाबंदियों से छूट दे दी है. तेहरान का कहना है कि यह व्यवस्था आपसी हितों को ध्यान में रखकर की गई है, जिसमें भारत से दवाओं का आयात और चीन से मिलने वाला राजनीतिक समर्थन शामिल है.

ईरान के एक वरिष्ठ सांसद ने बताया कि यह व्यवस्था इन चार देशों के साथ तेहरान के हितों से जुड़ी है. ऐसे समय में जब यह रणनीतिक जलमार्ग ईरान, अमेरिका और इजरायल के बीच चल रहे संघर्ष में उलझा हुआ है, इस घोषणा से भारतीय शिपंग को कुछ राहत मिल सकती है.ईरानी संसद की राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति समिति के उपाध्यक्ष, अमीर हयात मोकद्दम ने मंगलवार को 'ईरानियन स्टूडेंट्स न्यूज एजेंसी' को दिए एक इंटरव्यू में इन छूटों के बारे में जानकारी दी.स्थानीय मीडिया के अनसार-उन्होंने कहा कि हमने फिलहाल भारत, चीन, इराक और कतर को होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने पर लगी पाबंदियों से छूट दी है. इन देशों के जहाज बिना किसी रोक-टोक के गुजर सकते हैं और अमेरिका भी उन्हें नहीं रोक सकता है.ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य तक पहुंच का इस्तेमाल कछ चुनिंदा देशों के साथ अपने आर्थिक और राजनयिक संबंधों को मजबूत करने के लिए कर रहा है, जबकि अन्य जहाजों पर पाबंदियां अभी भी लागू हैं.इस व्यवस्था के पीछे तेहरान की जरूरी दवाओं की जरूरत बड़ा कारण बताया जा रहा है.स्थानीय मीडिया के अनुसार, इस व्यवस्था के पीछे एक बड़ा कारण तेहरान की जरूरी दवाओं की जरूरत भी है. प्रतिबंधों और चल रहे संघर्षों के कारण, ईरान को कुछ अंतरराष्ट्रीय बाजारों और वित्तीय माध्यमों तक पहुंचने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है.भारत, जिसका दवा निर्माण क्षेत्र काफी बड़ा है, दवाओं और चिकित्सा उत्पादों का एक महत्वपूर्ण आपूर्तिकर्ता है.इसका व्यापक लाभ होगा.

विदर्भ स्वाभिमान खटकता सच

जीवन में सभी बातें एक जैसी नहीं होती हैं. इसका उदाहरण हमारा शरीर ही है. हमारी पांचों उंगलियां एक जैसी नहीं होती हैं लेकिन उनमें सदैव बेहतरीन तालमेल होता है. हमारे पैर में कभी विवाद नहीं होता है कि मैं आगे पहले चलता हूं तू बाद में चलता है. उसी तरह जिस परिवार में पति-पत्नी के बीच समझदारी होती है, वहां स्थितियां कैसी भी हों, खुशियां आती रहती हैं. लेकिन जहां समझदारी नहीं होती है, वहां कितनी भी दौलत कभी खुशी नहीं आ सकती है. लेकिन दुर्भाग्यवश आजकल संस्कारों के अभाव में कई बार घर में रहकर भी हम एक-दूसरे से अलग हो जाते हैं. तनाव और अवसाद के कारण बड़ी घटनाएं हो रही हैं. चार दिन की जिंदगी में खुशियां हमारे पास होती हैं लेकिन अहंकार, मैं पन के कारण हम खुशियां ले नहीं पाते हैं. कहीं-कहीं तो परिवार में सब कुछ है लेकिन खुशी नहीं रहने की स्थिति है.

सुभाषचंद्र जे. दुबे,संपादक www.vidarbhswabhiman.com









गुरूवार 5 से 11 नवंबर 2026

सप्ताह आपके लिए खुशियों भरा रहने वाला है. दीपावली का पर्व खुशियों का प्रकाश देना वाला साबित होगा. इस दौरान नाहक वाद-विवाद से बचें और आर्थिक रूप से जोखिम नहीं उठाना श्रेयस्कर रहेगा. कम मेहनत में अधिक लाभ मिलने का योग बन रहा है. अपने काम पर ही ध्यान देना अधिक लाभदायी होगा.सप्ताह भर आनंददायी स्थिति रहेगी और घर में मेहमानों का आगमन होगा.

मेष- अपनी टीम को साफ़ तौर पर काम करने के लिए मोटिवेट करने से काम करने की क्षमता बढ़ेगी और काम अधूरा रहने की संभावना कम होगी.दीपावली पर कम मेहनत में अधिक लाभ होगा. कार्यालय में विवाद से बचना श्रेयस्कर होगा.

वृषभ- आपका खुशमिजाज और समझदार स्वभाव घर में शांति बनाए रखने में मदद करेगा.दीपावली पर उत्साह तथा मेहमानों का आगमन होगा. निवेश की योजना फिलहाल टालें.

मिथुन- काबिलियत बढ़ेगी और आप को कम मेहनत में ही सफलता मिलेगी. बड़ों का भरोसा और मज़बूत होगा. अपने बच्चों के साथ समय बिताने से आप ज़्यादा खुश रहेंगे और अकेलापन कम महसूस करेंगे. काम को महत्व देना जरूरी है. वाहन धीरे चलाएं.

कर्क- आपको काम की जगह पर कोई ज़िम्मेदार पद या ज़रूरी ज़िम्मेदारी मिल सकती है, जिससे आपका कॉन्फिडेंस बढ़ेगा. बिना जल्दबाज़ी के अपने परिवार के साथ समय बिताने से आपके रिश्तों में प्यार और अपनापन आएगा.

सिंह- काम और पढ़ाई में आपकी तरक्की अच्छी रहेगी. कोई भी चीज़ आपकी मेहनत और पक्के इरादे को आसानी से कम नहीं कर पाएगी. आप घर पर कुछ नया और दिलचस्प कर पाएंगे.जीवन में खुशियां बांटने का सदा भाव रखना, सब अच्छा होगा.

कन्या- इस हफ़्ते आपकी काबिलियत साफ़ दिखेगी, जिससे आपके करियर में नए मौके मिल सकते हैं. घर पर अपनी राय बहुत ज़्यादा थोपने की कोशिश करने से बहस हो सकती है, इसलिए दूसरे....

तुला- अच्छी सेहत आपको पूरे हफ़्ते एनर्जेटिक और पॉज़िटिव रखेगी. आपकी काबिलियत आपका कॉन्फिडेंस बढ़ाएगी और नए मौकों का रास्ता बनाएगी. परेशानी दूर होने के आसार हैं.

वृश्चिक- काम पर नए प्रोजेक्ट या ज़िम्मेदारियाँ आपकी काबिलियत और क्रिएटिविटी दिखाने का अच्छा मौका देंगी. परिवार में बातचीत, प्यार और तालमेल से खुशियाँ बढ़ेंगी. आपकी मज़बूत फ़ाइनेंशियल स्थिति....

धनु- कड़ी मेहनत और पॉज़िटिव सोच से आपके करियर में सफलता के चांस बढ़ेंगे. घर पर इमोशनल प्रॉब्लम को समझदारी और समझदारी से हैंडल किया जा सकता है ताकि परिवार में शांति बनी रहे. इन्वेस्टमेंट के फ़ैसले सोच-समझकर लेना लाभदायी रहेगा.

मकर- काम की जगह पर एक ऑर्गनाइज़्ड, फेयर और सपोर्टिव माहौल आपको अपनी पूरी क्षमता से काम करने के लिए इंस्पायर करेगा. अपनी चिंताओं और भावनाओं को अपने परिवार के साथ खुलकर बताने से रिश्ते बेहतर हो सकते हैं.

कुंभ- अपनी टीम के सदस्यों के छोटे से छोटे योगदान की भी सराहना करने से आपसी विश्वास बढ़ेगा और सभी का मनोबल बढ़ेगा. घर में बदलावों के साथ तालमेल बिठाने में थोड़ा समय लग सकता है. प्रभु की कृपा बनी रहेगी.

मीन- सहकर्मियों से मिले सपोर्ट और अच्छे सुझाव टीमवर्क को मजबूत करेंगे और काम में तेजी लाएंगे. निजी मामलों को समझने और सुलझाने में आपको अपने परिवार से पूरा सपोर्ट मिलेगा.

आपका सप्ताह शुभ हो, विदर्भ स्वाभिमान यही कामना परमात्मा के चरणों में करता है.

विदर्भ स्वाभिमान

संवाददाता चाहिए

महाराष्ट्र के साथ ही उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश में राष्ट्र धर्म और मानव धर्म को समर्पित होकर पत्रकारिता में सकारात्मकता को बढ़ाने का प्रयास करने वाले विदर्भ स्वाभिमान को मध्य प्रदेश के विभिन्न बड़े महानगरों में संवाददाताओं की नियुक्ती करनी है. सामाजिक, धार्मिक कार्य में उत्साह रखने वाले युवक संपर्क करें. अमरावती ही नहीं तो समूचे संभाग में आचार-विचार-आदर्श संस्कारों को बढ़ावा देने वाले हिंदी साप्ताहिक के रूप में पाठकों का प्यार पाने वाले विदर्भ स्वाभिमान को जिले की अचलपुर, चिखलदरा, चांदुर बाजार,वरूड़ में संवाददाताओं की नियुक्ति करनी है. सामाजिक दायित्व को महत्व देने वाले इच्छुक युवक-युवतियां संपर्क कर सकते हैं. आवेदन के साथ पासपोर्ट फोटो जरूरी है. इच्छुक अपना आवेदन हमें इस पते पर भेज सकते हैं. प्राप्त आवेदनों की जांच करने के बाद फैसला लिया जाएगा. सामाजिक सरोकार रखने वाले ही संपर्क करें.

हमारा पता

विदर्भ स्वाभिमान अखबार

छाया कॉलोनी, अकोली रोड, गजानन महाराज मंदिर के पीछे, अमरावती.
मोबाइल 9423426199/8208407139
www.vidarbhswabhiman.com

RNI NO. MAHMIN / 2010 /43881
विदर्भ स्वाभिमान
संपादक : सुभाषचंद्र दुबे प्रबंधक : सौ. विणा एस. दुबे

जाहीर सुचना	10x2	500
जाहीर सुचना	15x2	1000
बच्चों का जन्मदिन	10x2	500
शादी की वर्षगांठ	10x2	500
नाम में बदल	10x2	500
गुमशुदा	10x2	400
श्रध्दांजलि	10x2	500
पुण्यस्मरण	15x2	1000

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें
विदर्भ स्वाभिमान, छाया कॉलोनी, अमरावती
मो. 9423426199/ 8855019189

सन् 1967 पासून
अमरावती शहरात
वाजवी दरात
सर्वात जास्त
प्लाटस्चे सौदे
करणारे एकमेव
इस्टेट एजंट
संजय एजंसीज्
टाऊन हॉल समोर,
नेहरू
मैदान,अमरावती.फोन
2564125,2674048

विदर्भ स्वाभिमान
सदस्य बनें

विदर्भ स्वाभिमान संस्कारों का प्रोत्साहित करने वाला अखबार है. बच्चों के लिए यह ज्ञान का भंडार है. इसकी सदस्यता का अभियान चल रहा है. ऐसे में सदस्य बनने के इच्छुक संपर्क करें. मार्केटिंग करने तथा पेपर बांटने के लिए लड़के चाहिए.

संपर्क
विदर्भ स्वाभिमान मुख्यालय,
छाया कॉलोनी,अकोली
रोड,अमरावती.
मो.9423426199



गुणवत्ता विश्वसनीयता तत्पर सेवा
शालेय, महाविद्यालयीन पाठ्य पुस्तक, सामान्य ज्ञान स्पर्धा की विभिन्न किताबे, रजिस्टर, नोटबुक्स, कम्पास सहित सभी प्रकार की फाइलें,बुक्स, स्टेशनरी का एकमात्र विश्वसनीय स्थान. रियायती कीमत तथा तत्पर सेवा ही हमारी विशेषता है.
--संपर्क--
प्रथमेश बुक व जनरल स्टोअर्स, रविनगर चौक, अमरावती.

वननेस मुक्तांगण की मानवीय पहल

आज स्वाभिमान नगर में दीवाली फराल वितरण

विदर्भ स्वाभिमान,4 नवंबर

अमरावती- कहते हैं कि खुशियां देने से बढ़ती हैं.मानवता सेवा को ही सर्वोच्च सेवा मानते हुए हर बच्चे को बेहतरीन शिक्षा दिलाने का प्रयास करने वाले समाजसेवी संस्था वननेस मुक्तांगण द्वारा दीपावली की खुशियां स्वाभिमान नगर झोपड़पट्टी के बच्चों के साथ बांटने का फैसला किया गया है. इस कड़ी में संस्था की पहल पर सेवाभावी अर्हम ग्रुप के स्वयंसेवकों द्वारा गुरूवार 5 नवंबर को सुबह 8 से 9 बजे तक दीपावली फराल का वितरण कार्यक्रम रखा गया है. इसमें क्षेत्र निवासी बच्चों को दीपावली की खुशियां देने का प्रयास किया जाएगा.

संस्था के पदाधिकारी जहां इसके लिए प्रयासरत हैं, वहीं दूसरी ओर अर्हम ग्रुप के स्वयंसेवकों द्वारा सेवाभाव का नया मापदंड स्थापित किया जा रहा है. शहर में गरीबों की मदद के साथ ही गर्मी में राहगीरों को शरबत, ताक वितरण के साथ ही गरीब तथा जरूरतमंदों को मिठाईयों का वितरण किया जाता है. ग्रुप द्वारा जीवदया के तहत अभी तक शहरों में हजारों की संख्या में पानी की टंकियों के माध्यम से हजारों गौमाता, कुत्ते तथा अन्य जानवरों की प्यास बुझाने का प्रयास किया जाता है.

वननेस मुक्तांगण द्वारा गरीब तथा जरूरतमंद बच्चों को शैक्षिक मदद के तहत हर वर्ष सैकड़ों गरीब तथा जरूरतमंद छात्रों को शालेय साहित्य, दप्तर का वितरण किया जाता है. इस कार्य में संस्था के शुभम बलखंडे, अमित बनारसे, प्रकाश पांडे, वैष्णवी मोहोकार के साथ ही उनकी पूरी टीम पूरी तल्लीनता तथा बिना किसी प्रचार की लालच में पूरी तरह से समर्पित होकर काम करती है. झोपड़पट्टी क्षेत्र के बच्चों को शिक्षा देने के लिए पेड़ के नीचे क्लास लगाकर उन्हें रविवार को पढ़ाने का सराहनीय उपक्रम भी वननेस मुक्तांगण द्वारा चलाया जाता है. गुरूवार के कार्यक्रम में शामिल होने तथा लाभ लेने का आग्रह क्षेत्र के बच्चों से किया गया है.

सेवा क़ो परमोधर्म मानती हैं सौ.नेहा चौधरी

खुशियां बांटने और मानवता की सेवा को परमोधर्म मानने वाली सौ. नेहाताई चौधरी को जन्मदिन पर विदर्भ स्वाभिमान अखबार परिवार की हार्दिक शुभकामनाएं.उनके मुताबिक मानवता की सेवा सबसे बड़ा धर्म है और इसके लिए उनका सदैव प्रयास शुरू रहता है. सौ. नेहा चौधरी बहुगुणी व्यक्तित्व हैं. संकल्प सेवा संस्था के माध्यम से जहां गरीब बच्चों की मदद करती हैं, वहीं रसोई ठाकुर की के माध्यम से सैकड़ों गरीबों ,जरूरतमंदों को भोजनदान का पुण्य सभी सहयोगियों के साथ मिलकर कर रही हैं. यही कारण है कि भाजपा की सचिव के साथ ही दर्जनों संगठनों की जिम्मेदारी उन पर विश्वास के साथ डाली गई है.उनका 3 नवंबर को जन्मदिन था, इस उपलक्ष्य में विदर्भ स्वाभिमान की हार्दिक शुभकामनाएं. समाज में परिवर्तन लाने के लिए जिस शक्ति, संवेदना और संकल्प की आवश्यकता होती है, वह एक आदर्श समाजसेवी महिला नेहा चौधरी में अद्भुत रूप से समाहित है. वह केवल सेवा का प्रतीक नहीं होती, बल्कि प्रेरणा का स्त्रोत भी बनी हैं.आदर्श समाजसेवी महिला का ह्रदय करूणा से भरा है. वह समाज के दुख-दर्द को केवल सुनती नहीं, बल्कि उसे अपना मानकर समाधान की राह भी तलाशती है.गरीब बच्चों, वृद्धों, महिलाओं, दिव्यांगों और वंचित वर्गों की जीवन स्थितियों को सुधारने की





दिशा में उनका प्रयास रहता है.सेवा उनके लिए कोई कर्तव्य नहीं, बल्कि जीवन का धर्म है.

वह बिना किसी अपेक्षा के समाज के लिए समय, ऊर्जा और संसाधन समर्पित करती है चाहे शिक्षा का प्रसार हो, स्वास्थ्य जागरूकता, पर्यावरण संरक्षण या महिला सशक्तिकरण का अभियान,वह सभी में योगदान देती हैं.संकल्प सेवा संस्था के माध्यम से संगठन करने की क्षमता अद्भुत है. वह लोगों को जोड़ती है, मार्गदर्शन देती है और सामूहिक प्रयासों से बड़े-बड़े कार्य सम्भव कर दिखाती है.उनके वचन और कर्म में एकरूपता होती है, इसी कारण लोग सहज ही उससे जुड़ते और प्रभावित होते हैं. गरीब बच्चों के सेवा कार्य में कई लोग उनसे न केवल जुड़ते हैं, बल्कि उन्हें धन्यवाद भी देते हैं.आदर्श समाजसेवी महिला के रूप में सदा कुछ न कुछ उपक्रम

संकल्प सेवा संस्था को बनाया है मानवता सेवी संगठन

चलाती हैं. शिक्षा और जागरूकता को सबसे शक्तिशाली हथियार मानती है. समाज की मजबूती तथा एकता में भी सदैव वह बालिकाओं की शिक्षा, महिलाओं के अधिकार, स्वास्थ्य और स्वच्छता जैसे विषयों पर निरंतर काम करती है. उसके प्रयासों से समाज में नई सोच विकसित होकर उनके साथ बड़ी संख्या में लोग जुड़ रहे हैं.सामाजिक कार्यों में चुनौतियाँ आती ही हैं, परंतु वह धैर्य, संयम और दृढ़ इच्छाशक्ति से हर कठिनाई का सामना करते हुए स्थितियों को अपने पक्ष में करने में माहिर हैं. उनके जन्मदिन पर हजारों लोगों ने उन्हें मोबाइल, फोन, वाटसअैप सहित अन्य माध्यमों से शुभकामनाएं दी. इसे वे सेवा कार्य का आशिर्वाद मानती हैं. वह जहां भी जाती है, मुस्कान में आशा, उनके कार्यों में सद्भाव और उसके व्यवहार में मानवता झलकती है. वह समाज के लिए एक मार्गदर्शक दीपक की तरह कार्य करती हैं. उनके मुताबिक सेवा कार्य में पति के साथ पूरे परिवार और समाजबंधुओं, शहरवासियों का साथ मिलने से उन्हें प्रोत्साहन मिलता है.जन्मदिन पर शुभकामनाएं देने वालों का धन्यवाद कर सभी को दीपावली की शुभकामनाएं दी हैं.



